

अमर खुशी छाई (१३३)

करके सोरहं सिंगार आई मीरपुर नारि
लाई लाई मंगल थार लाई॥

फूले हैं दिलि में बाप महतारी
फूली मीरपुर कर सब नर नारी
देव करे जैकार डालें फूलनि के हार
गाई गाई मंगल धुनि गाई॥

अवधेश्वर जी आज्ञा पाई
स्वामिनि जू की सहिचर आई
लाई भगति भण्डार छाई जग में बहार
पाई पाई अमड़ि निधि पाई॥

सतिसंग सभा के भाग भले हैं
संत शिरोमणि साई मिले हैं
फैली कथा हुबकार जंहि में गुलनि गुलज़ार
छाई छाई अमर खुशी छाई॥

मैगसि मैया मौजूं माणीं
सतिगुर सचिड़ो थींदुव साणी
करे महिर अपार दिनो भगति भण्डार
साई साई जियो सदां साई॥